CELEBRATION OF 70th ANNIVERSARY OF CONSTITUTION DAY

REPORT

State Level "Online Debate Competition"

(31 August, 2020)

Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University
(A Central University)
Srinagar Garhwal, Uttarakhand

UTTARAKHAND STATE COORDINATING UNIVERSITY

ACTIVITY: State Level Online Debate Competition

In continuation to year-long celebrations of 70th Anniversary of Constitution Day, a state level online debate competition was organized on 31 August, 2020. The topic of the debate was “Should fundamental duties be lawfully enforceable as with the case with fundamental rights”. The online debate competition was hosted on Zoom platform. Hon’ble Vice Chancellor of HNB Garhwal University Prof. Annapurna Nautiyal was present on the occasion. The jury was attended by Dr. Rakhi Panchola, head of the Department of Political Science at Government PG College Doiwala, social activist and senior journalist Mahipal Singh Negi and Dr. Ashutosh Gupta of Garhwal University. Forty seven contestants of Uttarakhand participated in this competition, which were selected by their universities and colleges. Convener of the Debate Competition Organizing Committee, Prof. Mahavir Singh Negi, Department of Education, Geography welcomed all the guests, the jury and the participants and said that such programs bring new energy in any institution. He said that under the guidance of Hon’ble Vice Chancellor of HNB Garhwal University, these program are continuously making an important place in all over the country.

The Nodal Officer of the program Prof. MM Semwal, while keeping a report of the events so far in this year-long program, said that the crisis arising out of Corona epidemic is being exploited by the university by promoting online activities, which will also open up opportunities for the future. Prof. Semwal said that such programs are being organized all over the country so that the younger generation can be made aware of the constitution and its responsibilities. The constitution made after our freedom struggle is the dream of our ancestors, which also presents to us the goal of the betterment of our country. We need to be responsible not only for our rights but also for the duties so as to contribute to the development of the country. He informed that Garhwal University has been named the Coordinating University of Uttarakhand for this program by the Ministry of Human Resources. He said that 80% of the girl contestants participated in this debate, which is a positive sign for the future. Vice-Chancellor of Garhwal University, Prof. Annapurna Nautiyal said that

every article of our constitution reflects our commitment to human welfare. She said that such programs are the spread of educational activities in the university and Garhwal University, being the Coordinating University of Uttarakhand, is doing the most spectacular work across the country. Further, by organizing similar programs, students will be pushed forward towards making them better citizens.

Dr. Rakhi Panchola, head of the Department of Political Science at Government PG College, Doiwala, a member of the jury, said that such programs broaden the scope of students and make them a better citizen. Even in this time of Corona, if this program is done so successfully, then it will prove to be a good sign for the future. Mahipal Singh Negi, a social activist and senior journalist associated with social concerns, who is present as the second deciding member, said that this program is the opportunity taken by the students as an opportunity in disaster. The way students have participated in remote areas is an inspiration to all of us. Such programs will boost the confidence of the students so that they can prepare for the future. Dr. Ashutosh Gupta of Garhwal University, present as the third judge, said that all the students tried well. Such programs serve as a platform for students to showcase their talents. In favor of the topic given in the debate competition first place was obtained by Nikita Khati of DSB Campus Nainital, Kumaon University, Second place was jointly received by Anusha Garola of Graphic Era University and Gautam Angira of Dev Sanskriti University, Haridwar and third place was received by Deeksha Mishra of FRI University, Dehradun.

In opposition to the subject, first place was obtained by Anjali Rawat of Veer Chandra Singh Garhwali University of Agriculture and Horticulture Ranichauri Campus, Meenal Dubey of FRI University, Dehradun got second place and Chitra Kashyap of Dev Sanskriti University Haridwar got the third place respectively. Dr. Prashant Kandari was the coordinator of the program and he carried out the anchoring of the event. Students and research scholar of many universities of the state were present in this program. Along with this, the organizing co-coordinator Dr. Nitin Sati, Organizing secretary Mr. Arun Shekhar Bahuguna, State Level Committee Member Prof. Rakesh Kunwar, Prof. Seema Dhawan, Dr. Jyoti Tiwari, Dr. JP Bhatt, Dr. Sarvesh Uniyal were present. The event was well covered in the print and electronic media.

गढ़वाल विवि में संविधान पर वाद विवाद प्रतियोगिता

नैनीताल और भरसार के छात्रों ने मारी बाजी

श्रीनगर, 31 अगस्त (स.ह.) : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में 'क्या मौलिक कर्तव्य भी मौलिक अधिकारों की भांति कानूनी रूप से बाध्यकारी होने चाहिए' विषय पर राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें उत्तराखंड के 10 जिलों के दुर्गम क्षेत्रों सहित कई महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने बतौर मुख्य अतिथि किया। कार्यक्रम में प्रथम स्थान डीएसबी कैंपस नैनीताल, कुमाऊं विश्वविद्यालय की निकिता खाती ने प्राप्त किया। ग्राफिक एरा की अनुषा गैरोला व देव संस्कृति विवि हरिद्वार के गौतम अगिरा ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान एफआरआई देहरादून की दीक्षा मिश्रा ने प्राप्त किया। विपक्ष में प्रथम स्थान वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं उद्यानिकी विवि भरसार की अंजलि रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एफआरआई देहरादून की मीनल दुबे और देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार की चित्रा कश्यप ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. एमएम सेमवाल ने साल भर चलने वाले इस कार्यक्रम की रिपोर्ट सबसे सामने रखी। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में गवर्नमेंट पीजी कॉलेज डोईवाला में राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी पंचोला, सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार महिपाल सिंह नेगी तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय के डॉ. आशुतोष गुप्ता मौजूद रहे।

आसपास | आज का दिन वर्ष 1804 में जर्मन खगोल विज्ञानी के एल. हार्डिंग ने एस्टरॉयड जूनो का पता

गढ़वाल विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित की गई ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता

निकिता और अंजली ने मारी बाजी

प्रतियोगिता

गौतम अंगीरा। ● हिन्दुस्तान — अंजली रावत। ● हिन्दुस्तान — अंशु गैरोला। ● हिन्दुस्तान — दीक्षा मिश्रा। ● हिन्दुस्तान — मीनल दुबे। ● हिन्दुस्तान — निकिता खाती। ● हिन्दुस्तान

श्रीनगर | हमारे संवाददाता

हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि की ओर से संविधान दिवस की 70वीं वर्षगांठ पर -क्या मौलिक कर्तव्य भी मौलिक अधिकारों की भांति कानूनी रूप से बाध्यकारी होने चाहिए.. विषय पर राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के पक्ष में कुमाऊ विवि के डीएसबी कैंपस नैनीताल की निकिता खाती प्रथम ग्राफिक एरा की अनुषा गैरोला एवं देव संस्कृति विवि हरिद्वार के गौतम अगिरा ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान और एफआरआई देहरादून की दीक्षा मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विपक्ष में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं उद्यानिकी विवि भरसार की अंजलि रावत प्रथम, एफआरआई देहरादून की मीनल दुबे द्वितीय व देव संस्कृति विवि हरिद्वार की चित्रा कश्यप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित प्रतियोगिता के शुभारंभ पर बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि हमारा संविधान का प्रत्येक अनुच्छेद मानव कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विवि में शैक्षणिक गतिविधियों का प्रसार है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. एमएम सेमवाल ने कहा कि कोरोना महामारी से उपजे संकट का सदुपयोग विवि द्वारा ऑनलाइन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। निर्णायक की भूमिका में पीजी कॉलेज डोईवाला के राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी पंचोला, सामाजिक कार्यकर्ता महिपाल सिंह नेगी एवं गढ़वाल विवि के डॉ. आशुतोष गुप्ता मौजूद रहे। प्रो. महावीर सिंह ने स्वागत व डॉ प्रशांत ने संचालन किया।

वाल amarujala.com

निकिता और अंजलि ने मारी बाजी

गढ़वाल विवि की ओर से संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुई वाद विवाद प्रतियोगिता

संवाद न्यूज एजेंसी

10 जिलों के 47 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

निकिता खाती — अंजलि रावत — दीक्षा मिश्रा — मृणाल दुबे — गौतम — चित्रा कश्यप

श्रीनगर। गढ़वाल विवि की ओर से संविधान दिवस की 70वीं वर्षगांठ पर सालभर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में वाद विवाद प्रतियोगिता हुई, जिसमें प्रदेश के 10 जिलों के 47 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में डीएसबी नैनीताल की निकिता और कृषि एवं उद्यानिकी विवि भरसार की अंजलि पहले स्थान पर रही।

गढ़वाल विवि की ओर से सोमवार को 'क्या मौलिक कर्तव्य भी मौलिक अधिकारों की भांति कानूनी रूप से बाध्यकारी होने चाहिए' विषय पर ऑनलाइन वाद विवाद प्रतियोगिता हुई। विषय के पक्ष में डीएसबी कैंपस नैनीताल कुमाऊं विवि की निकिता खाती पहले, ग्राफिक एरा की अनुषा गैरोला व देव संस्कृति विवि हरिद्वार के गौतम द्वितीय, एफआरआई देहरादून की दीक्षा मिश्रा तृतीय रही। विषय के विपक्ष में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं उद्यानिकी विवि भरसार की अंजलि रावत प्रथम, एफआरआई देहरादून की मीनल दुबे व देव संस्कृति विवि हरिद्वार की चित्रा कश्यप द्वितीय व तृतीय रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल सहित नोडल अधिकारी प्रो. एमएम सेमवाल, राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा. राखी पंचोला, प्रो. राकेश कुंवर, वरिष्ठ पत्रकार महिपाल सिंह नेगी, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डा. प्रशांत कंडारी, डॉ. ज्योति तिवाड़ी, डॉ. नितिन सती, डॉ. अरुण शेखर बहुगुणा, डॉ. जेपी भट्ट आदि मौजूद थे।

हमारा संविधान मानवकल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता

● राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में संविधान दिवस की 70 वीं वर्षगांठ पर वर्षभर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्तराखंड के विभिन्न महाविद्यालयों, विवि व संस्थानों के 47 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि हमारा संविधान का प्रत्येक अनुच्छेद मानवकल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों का प्रसार है। गढ़वाल विवि उत्तराखंड का कॉर्डिनेटिंग विवि होने के नाते देश भर में सबसे शानदार काम कर रहा है। आगे भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. एमएम सेमवाल ने साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की रिपोर्ट रखते हुए कहा कि कोरोना महामारी से उपजे संकट का सदुपयोग विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन गतिविधियों को बढ़ावा दे कर किया जा रहा है। जो कि भविष्य के लिए भी अवसरों को खोलेगा। प्रो. सेमवाल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किये जा रहे है। ताकि युवा पीढ़ी को संविधान और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 10 जिलों से छात्रों ने प्रतिभाग किया। जिनमे कई छात्र दुर्गम क्षेत्रों से थे। प्रतियोगिता में गवर्नमेंट पीजी कॉलेज डोईवाला में राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर राखी पंचोला, सामाजिक सरोकारों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार महिपाल सिंह नेगी तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय के डॉ आशुतोष गुप्ता निर्णायक की भूमिका में रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशांत कंडारी ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य प्रो. राकेश कुँवर, डॉ ज्योति तिवाड़ी, डॉ. नितिन सती, डॉ. अरुण शेखर बहुगुणा, डॉ. जेपी भट्ट आदि मौजूद रहें।

प्रतियोगिता में निकिता व अंजली रही प्रथम

राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में डीएसबी कॅपस नैनीताल, कुमाऊँ विश्वविद्यालय की निकिता खाती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा ग्राफिक एरा की अनुषा गैरोला व देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के गौतम अगिरा ने संयुक्त रुप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान एफ आर आई देहरादून की दीक्षा मिश्रा ने प्राप्त किया। विषय के विपक्ष में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं उद्यानिकी विश्वविद्यालय भरसार की अंजलि रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा एफआरआई देहरादून की मीनल दुबे व देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार की चित्रा कश्यप ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एचएनबी गढ़वाल विवि ने आयोजित की राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता। Dabi juban news

By: Admin | Updated: 31-08-2020 20:05:11

शेयर करें : Like Sign Up to see what your friends like.

श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल)। संविधान दिवस की 70वीं वर्षगांठ पर वर्षभर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की ओर से क्या मौलिक कर्तव्य भी मौलिक अधिकारों की भांति कानूनी रुप से बाध्यकारी होने चाहिए विषय पर राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल मौजूद रही। निर्णायक मंडल में गवर्नमेंट पीजी कॉलेज डोईवाला में राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी पंचोला, सामाजिक सरोकारों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार महिपाल सिंह नेगी तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय के डॉ. आशुतोष गुप्ता मौजूद रहे। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 47 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिन्हें उनके विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों ने चुना था।

वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजन समिति के संयोजक प्रो. महावीर सिंह नेगी विभागाध्यक्ष भूगोल ने सभी अतिथियों, निर्णायक

Dabi juban News About us | Contact us | Advertise With Us | Our team | Donate Us

का ओर से ऑनलाइन गतिविधियों को बढ़ावा दे कर किया जा रहा है जो कि भविष्य के लिए भी अवसरों को खोलेगा। कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किये जा रहे है। ताकि युवा पीढ़ी को संविधान और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा सके। हमारी आजादी की लड़ाई के बाद बना संविधान हमारे पूर्वजों का सपना है जो हमारे देश की बेहतरी के लक्ष्य को भी हमारे सामने प्रस्तुत करता है। हमें केवल अपने अधिकारों के प्रति नही बल्कि कर्तव्यों के प्रति भी जिम्मेदार होने की जरूरत है ताकि देश के विकास में योगदान दे सके। उन्होंने बताया कि मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा इस कार्यक्रम के लिए गढ़वाल विश्वविद्यालय को उत्तराखंड की कॉर्डिनेटिंग विश्वविद्यालय नामित किया गया है। वाद विवाद की इस प्रतियोगिता में 80 फीसदी प्रतिभागी छात्राओं ने भाग लिया जो कि भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

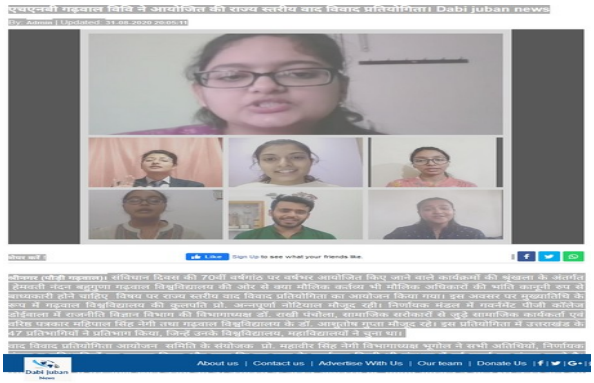

मुख्यातिथि गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि हमारा संविधान का प्रत्येक अनुच्छेद मानवकल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने ये भी कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों का प्रसार है। गढ़वाल विश्वविद्यालय उत्तराखंड का कॉर्डिनेटिंग विश्वविद्यालय होने के नाते देश भर में सबसे शानदार काम कर रहा है। आगे भी इसी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा।

गढ़वाल वि0वि0 द्वारा "क्या मौलिक कर्तव्य भी मौलिक अधिकारों की भाँति कानूनी रुप से बाध्यकारी होने चाहिए" विषय पर राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता

संविधान दिवस की 70 वीं वर्षगांठ पर वर्षभर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के द्वारा "क्या मौलिक कर्तव्य भी मौलिक अधिकारों की भाँति कानूनी रुप से बाध्यकारी होने चाहिए" विषय पर राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 47 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिन्हें उनके विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों ने चुना था।

संविधान दिवस की 70 वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर चलने वाली श्रृंखला में वाद विवाद प्रतियोगिता

श्रीनगर। संविधान दिवस की 70 वीं वर्षगांठ पर वर्षभर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में निकिता खाती और विपक्ष में अंजलि रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

"क्या मौलिक कर्तव्य भी मौलिक अधिकारों की भाँति कानूनी रुप से बाध्यकारी होने चाहिए" विषय पर राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में वादविवाद प्रतियोगिता में दिए गये विषय के पक्ष में प्रथम स्थान डीएसबी परिसर नैनीताल, कुमाऊँ विश्वविद्यालय की निकिता खाती ने प्राप्त, ग्राफिक एरा विवि की अनुषा गैरोला व देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के गौतम अंगिरा ने संयुक्त रुप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान एफ आर आई वि वि देहरादून की दीक्षा मिश्रा ने प्राप्त किया।

विषय के विपक्ष में प्रथम स्थान वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं उद्यानिकी विश्वविद्यालय भरसार, रानीचौरी परिसर की अंजलि रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा एफ आर आई वि वि देहरादून की मीनल दुबे व देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार की चित्रा कश्यप ने क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० अन्नपूर्णा नौटियाल मौजूद रही। निर्णायक मंडल में गवर्नमेंट पीजी कॉलेज डोईवाला में राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर राखी पंचोला, सामाजिक सरोकारों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार महिपाल सिंह नेगी तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय के डॉ आशुतोष गुप्ता मौजूद रहे।

इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 47 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिन्हें उनके विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों ने चुना था।
वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजन समिति के संयोजक प्रो० महावीर सिंह नेगी, ने सभी अतिथियों, निर्णायक मंडल व प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम किसी भी संस्थान में नई ऊर्जा का संचार करते है।

कुलपति गढ़वाल वि वि प्रो अन्नपूर्णा नौटियाल का लगातार इस कार्यक्रम को मार्गदर्शन मिलने का परिणाम हैं की आज हम इसमें पूरे देश में महत्वपूर्ण स्थान बनाये हुए हैं। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. एमएम सेमवाल ने साल भर चलने वाले इस कार्यक्रम में अभी तक हुए कार्यक्रमों की रिपोर्ट रखते हुए कहा कि कोरोना महामारी से उपजे संकट का सदुपयोग विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन गतिविधियों को बढ़ावा दे कर किया जा रहा है।

प्रो. सेमवाल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किये जा रहे है। ताकि युवा पीढ़ी को संविधान और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा सके। हमारी आजादी की लड़ाई के बाद बना संविधान हमारे पूर्वजों का सपना है जो हमारे देश की बेहतरी के लक्ष्य को भी हमारे सामने प्रस्तुत करता है।

उन्होंने बताया कि मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा इस कार्यक्रम के लिए गढ़वाल विश्वविद्यालय को उत्तराखंड की कॉर्डिनेटिंग विश्वविद्यालय नामित किया गया है। वाद विवाद की इस प्रतियोगिता में 80 फीसदी प्रतिभागी छात्राओं ने भाग लिया जो कि भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

निर्णायक मंडल की एक सदस्य राजकीय पीजी कॉलेज डोईवाला में राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर राखी पंचोला ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के दायरों को बढ़ाते है और उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाते है। कोरोना के इस समय में भी यह कार्यक्रम इतनी सफलतापूर्वक हो पाया है तो यह भविष्य के लिए अच्छे संकेत के रूप में साबित होगा।

दूसरे निर्णायक सदस्य के रूप में मौजूद सामाजिक सरोकारों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार महिपाल सिंह नेगी ने कहा कि यह कार्यक्रम ही आपदा में अवसर की तरह छात्रों ने इस अवसर को लिया है। छात्रों ने सुदूर क्षेत्रों से जिस तरह प्रतिभाग किया वह हम सब के लिए प्रेरणा है। इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा जिस से वे भविष्य के लिए तैयार हो सके।

इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के 10 जिलों से छात्रों ने प्रतिभाग किया जिनमे कई छात्र दुर्गम क्षेत्रों से थे। इस कार्यक्रम में गढ़वाल विश्वविद्यालय के मुख्य परिसरों श्रीनगर, पौड़ी व टिहरीपरिसर के अलावा एफ आर आई वि वि देहरादून, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली कृषि एवं उद्यानिकी विश्वविद्यालय भरसार आदि ने प्रतिभाग किया।

इसके साथ ही कार्यक्रम की आयोजन समिति के सचिव डॉ. अरुण शेखर बहुगुणा,प्रदेश स्तरीय समिति सदस्य प्रो० राकेश कुँवर, डॉ ज्योति तिवाड़ी, डॉ० नितिन सती, डॉ जे पी भट्ट, आदि मौजूद रहे।

Media Coverage of the event